आपका साक्षी

मानसिक स्वास्थ्य प्रदर्शनी बनी मेले का आकर्षण

कोटा, 13 अक्टूबर। प्रगतिशील समाज की रचना में व्यक्ति का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण घटक है। व्यक्ति परिवार व समाज की ईकाई है अतः खराब स्वास्थ्य व्यक्ति के साथ-साथ पूरे समाज पर दुष्प्रभाव डालता है। खराब स्वास्थ्य मानसिक रोगों जैसे अवसाद, उत्तेजना व अन्य मानसिक बीमारियों से गंभीर शारीरिक बीमारिया जैसे कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग, गाठिया, अस्थमा आदि भयानक बीमारिया पैदा होती है। अतः इन मानसिक बीमारियों की पहचान व निराकरण समय पर होना जरूरी है। यह जानकारी देते हुए जाने माने मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एल. अग्रवाल ने बताया कि इन मानसिक बीमारियों की मुख्य वजह नशा है विशेषकर गांवों में तम्बाकू, गुटखा, शराब आदि का खासा प्रचलन है। इसी की रोकथाम हेतु आमजन को प्रेरित करने के लिए इन्होंने दशहरा मेला में एक जन उपयोगी प्रदर्शनी लगाई हुई है।

जिसको प्रतिदिन हजारों की संख्या में नागरिक जिनमें बच्चे, बुजुर्ग युवा व महिलाएं सभी प्रतिदिन देखने आते हैं। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रदर्शनी लगाने का उद्देश्य लोगों कोमानसिक बीमारियों के लक्षण, उनकी पहचान व उपचार की विधियों की जानकारी देना है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां झाड़-फूंक व टोने टोटको का ज्यादा जोर होता है।

इन लोगों को इस बात का पता लगे कि उनकी बीमारी का ईलाज ओझाओं के तंत्रमंत्र से नहीं होगा।

दशहरा मेला में मानसिक स्वास्थ्य प्रदर्शनी द्वारा दर्शकों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते डॉ. एम.एल. अग्रवाल।

दशहरा मेला में मानसिक स्वास्थ्य प्रदर्शनी का अवलोकन करते संभागीय आयुक्त।

बड़ों के साथ-साथ बच्चों को भी नशे से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी मिलती है अतः यह प्रदर्शनी अपने लक्ष्य को पाने में सफल हुई है।
- मनजीत सिंह

प्रदर्शनी से बहुत फायदा है। पेशे से केटरिंग का कार्य कर रहे युवक ने न केवल खुद नशा छोड़ने की प्रतिभा की बल्कि अपने बीस साथियों का भी नशा छुड़ाने को प्रण लिया।
- राजू

लोगों का मानसिक विकास न नशा उन्मूलन की प्रेरणा हेतु अच्छा प्रयास है। ग्रामीण क्षेत्र में सुधार की ओर आवश्यकता है। -चन्द्रकान्ता मेघवाल, विधायक

डॉ. एमएल अग्रवाल को पुनः अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार

कोटा, 9 अक्टूबर। कोटा-वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ मेन्टल हैल्थ (डब्ल्यूएफएमएच) यूएसए ने डॉ. एमएल अग्रवाल न्यूरो साइकेट्री 2007 के रिचर्ड सी हन्टर स्मृति पुरस्कार के लिए चयन किया है। उल्लेखनीय है कि मानसिक रोग निदान की दिशा में विश्वभर में किए जा रहे प्रयत्नों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से प्रारंभ यह अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान अब तक दुनिया में तीन लोगों को मिला है जिसमें 2006 में सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्रालय को छोड़कर पहला 2005 एवं दुबारा 2007 का अभी यह अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार डॉ. अग्रवाल के नाम गया है। यह सम्मान डॉ. अगवाल द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति आम जागृति पैदा करने एवं मानसिक रोगियों के प्रति सामाजिक अन्धविश्वासों एवं गलत धारणाओं के खिलाफ अनवरत समर्पित प्रयासों तथा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में मानसिक रोगियों के निदान की दिशा में दिए जा रहे योगदान के लिए दिया गया है।

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

दैनिक भास्कर धर्म-समाज

प्रदर्शनी का अवलोकन करते पंचायतीराज मंत्री भरत सिंह व डॉ.एमएल अग्रवाल।

प्रदर्शनी का अवलोकन

भास्कर न्यूज । दीगोद

पंचायतीराज मंत्री भरत सिंह, जिला प्रमुख कमला मीणा, उप जिला प्रमुख संतोष खंडेलवाल, जिला परिषद के सीईओ जमील अहमद कुरैशी, दीगोद के उपखंड अधिकारी एसडी मीणा सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं चिकित्सकों ने दीगोद में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से आयोजित किए जा रहे ग्रामीण विकास पर सम्मेलन में भारत निर्माण जन सूचना अभियान की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

ग्रामीण विकास पर सम्मेलन में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख कमला मीणा ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम जैसी अनूठी योजना पिछले कई वर्षों के पंचायती राज में नहीं आई। उप जिला प्रमुख संतोष खंडेलवाल ने कहा कि ग्रामीण विकास की योजनाओं के जरिए ग्रामीणों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार आ रहा है। जिला परिषद के सीईओ जमील अहमद कुरैशी ने कहा कि कार्यक्रम से जल संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है। इफको के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक एसएस खारी, कोटा आई रिसर्च सेंटर सोसायटी के नेत्ररोग विशेषज्ञ डा. महेश पंजाबी, राष्ट्रीय बागवानी मिशन पर उपनिदेशक डा. पीके गुप्ता सहित अन्य ने विचार व्यक्त किए।

दैनिक भास्कर धर्म-समाज कोटा · मंगलवार, 3 नवंबर 2009

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

देश की धरती 8 अक्टूबर 2009 कोटा (3)

डॉ.एम.एल.अग्रवाल विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अन्तर्गत जानकारी देते हुए।

जन चेतना शिविर आयोजित

कोटा 7 अक्टूबर । विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर अग्रवाल न्यूरो साइकेटी सेन्टर के तत्वावधान में राजकीय माध्यमिक विद्यालय मवासा कोटा पर एक जन चेतना शिविर आयोजित किया गया। शिविर के मुख्य वक्ता डॉ. एम एल अग्रवाल वरि. मनो. रोग विशेषज्ञ द्वारा ग्रामीण महिलाओं, पुरूषों को मनोरोग क्या है। इसके लक्षण व निदान के बारे में बताया। शिविर के उपरान्त एड्स इन्टरनेशनल संस्थान के सुधीर गौड़ ने नशे व लाल मंजन से होने वाले नुकसान व बीमारी के बारे में बताया ।

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

ब्यूरो

विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अन्तर्गत जन चेतना शिविर आयोजित

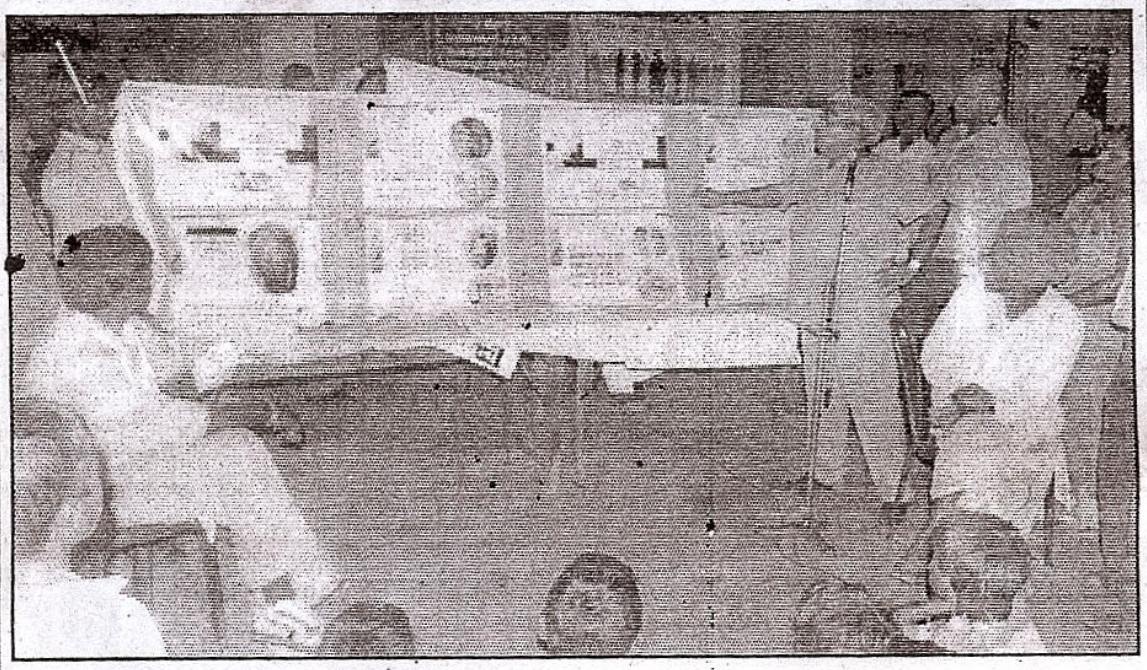

कोटा 7 अक्टूबर। विश्व मनसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर अग्रवाल न्यूरो साइक्रेटी सेन्टर के तत्वाधान में राजकीय माध्यमिक विद्यालय मवासा पर एक जन चेतना शिविर आयोजित किया गया।

शिविर के मुख्य वक्ता डॉ. एम.एल. अग्रवाल, वरि. मनो. रोग विशेषज्ञ द्वारा ग्रामीण महिलाओं, पुरूषों को मनोरोग क्या है। इसके लक्षण व निदान के बारे में बताया। अगर समय पर मनोरोग का पता लगाकर सही समय पर मरीज का इलाज करा लिया जाये तो मरीज तुरन्त प्रभाव से लाभ प्राप्त कर सकता है। लेकिन गांव के लोग जानकारी के अभाव में झाडफूंक तंत्र मंत्रों के चक्कर में पड़ कर मरीज को ज्यादा बीमारी से ग्रसित कर देते हैं और उसका सहीं समय पर इलाज नहीं होने के कारण उसकी मृत्यु हो जाती हैं। शिविर के उपरान्त एड्स इन्टरनेशनल संस्थान के सुधींद्र गौड़ द्वारा नशे व लाल मंजन से होने वाले नुकसान व बीमारी के बारे में बताया। शिविर के अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक घनश्याम गौत्तम द्वारा सभी ग्रामीणों से मानसिक रोग होने वाली बीमारी का गांव में ज्यादा से ज्यादा प्रचार कर बीमारी से बचने एवं अगर गांव में जो इस बीमारी से पिड़ित हैं, तो उसका इलाज करने की अपील की है। शिविर के अंत में श्रीमती गीता शर्मा, श्रीमती बसन्ती देवी महिला बाल विकास विभाग ने सहयोग प्रदान किया।

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

राजस्थान पत्रिका
कोटा, रविवार 11 अक्टूबर, 2009

स्वस्थ मस्तिष्क के लिए

सकारात्मक सोच जरूरी

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर संगोष्ठी

कोटा, 10 सितम्बर (का.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश भार्गव ने कहा कि मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत आवश्यक है।

उन्होंने ये विचार शनिवार को आईएमए हॉल में आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। संगोष्ठी का आयोजन विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, अग्रवाल न्यूरो साइकेट्री सेंटर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से किया गया था। मुख्य अतिथि संत शम्भू सिंह कौशिक महाराज ने कहा कि नशे से मानसिक रोग होते हैं। नशे से बचाने के लिए बच्चों को संस्कारित करने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि स्वतंत्रता सैनानी आनंद लक्ष्मण खांडेकर ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति से ही स्वस्थ समाज बनता है। शिक्षित वर्ग को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करनी होगी। डॉ. एम.एल.अग्रवाल ने कहा कि मानसिक रोगों का शुरुआत में ही उपचार कर उसे रोका जा सकता है। डॉ. अरुणा अग्रवाल ने कहा कि कामकाजी महिलाओं को दोहरी भूमिका निभाने के कारण पुरुषों की अपेक्षा अधिक मानसिक रोग होने की संभावना रहती है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शनिवार को बिनानी सभागार से निकाली रैली को झंडी दिखाकर रवाना करते अतिथि। पत्रिका

न्यायिक अधिकारी राजेश मीणा, प्रमोद शर्मा व नीरज भाभू ने मानसिक रोगियों के लिए बने कानून व संविधानों की जानकारी दी। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. एन.के. गुप्ता ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सप्ताह भर सहयोग करने वालों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। पर्यावरणविद् एल.के. दाधीच व यज्ञदत्त हाड़ा ने संचालन किया।

रैली से दिया संदेश

इससे पहले मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देने के लिए वाहन रैली निकाली गई। रैली रोटरी बिनानी सभागार से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए आईएमए हॉल पहुंची। संयोजक विमल जैन ने बताया कि रैली में ऊंटगाड़ियों में सजी नशा मुक्ति की झांकी, डेमो गाड़ियां व दुपहिया वाहनों पर नारे लिखे हुए थे।

मनोरोगों की जानकारी दी

एमबीएस अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग की ओर से मनोरोगियों को जानकारी के लिए परिचर्चा आयोजित की गई। आचार्य एवं मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डी.के. शर्मा ने कहा कि मनोरोग की दवाईयां नींद या नशे की नहीं होती। ये अत्यंत प्रभावी व बिना किसी दुष्प्रभाव के लम्बे समय तक ली जा सकती है। कार्यक्रम में सह आचार्य बी.एस. शेखावत, डॉ. देवेन्द्र विजयवर्गीय व डॉ. सी.एस.सुशील ने भी विचार व्यक्त किए।

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

दैनिक नवज्योति • कोटा, रविवार, 11 अक्टूबर 2009

आईएमए हॉल में आयोजित संगोष्ठी में उपस्थितजन व हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना करते हुए। छाया नवज्योति आर

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर हुई संगोष्ठियां

नगर प्रतिनिधि

कोटा, 10 अक्टूबर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य संगठन दिवस पर शनिवार को आईएमए हॉल में मनोरोगियों व उनके परिजनों में मनोरोगों के बारे में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इंडियन मेडिकल एसोशिएशन, अग्रवाल न्यूरोसाईक्रेटिक सेन्टर व चिकित्सा विभाग के सहयोग से गोष्ठी व कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर कार्यक्रम अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश भार्गव ने मानसिक रोगियों की उचित देखभाल पर बल दिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी अधिनियम में उपलब्ध कानून व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमें इन जानकारियों को आमजन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। न्यायिक अधिकारी राजेश मीणा, प्रमोद शर्मा, नीरज भामू ने अधिनियम के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्व में जो कानून लागू था, उसकी खामियां वह इस अधिनियम से दूर हो गई है। विशिष्ट वक्ता अरूणा अग्रवाल ने मानसिक स्वास्थ्य व महिलाओं की स्थिति की जानकारी दी। मनोरोग

रैली निकालकर किया जागरूक

विशेषज्ञ डॉ. एमएल अग्रवाल ने परखश्रव्य माध्यम से विभिन्न प्रकार की मानसिक बिमारियों के कारण व बचाव की जानकारी दी। एमबीएस अस्पताल के मनोरोग चिकित्सक डॉ. देवेन्द्र विजयवर्गीय ने मनोरोगी के लक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस रोग में रोगी स्वयं से बातें करने लगता है। अकेलेपन को पंसद करने लगता है। बिना बात के हंसने लगता है। उन्होंने बताया कि ऐसी स्थिति में मनोचिकित्सक का परामर्श लेना जरूरी होता है।

डॉ. सीएस सुशील ने विभिन्न रोगों की उपचार पद्धतियों के बारे में बताया कि मनोरोग लाईलाज नहीं है। इसके लिए विद्युत उपाचार पद्धति प्रभावी है। मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. डीके शर्मा ने आमजनों में मनोरोगों के बारे में एवं उपचारों के बारे में व्याप्त भ्रांतियों को दूर किया। उन्होंने बताया कि मनोरोग में दी जाने वाली दवाई को लोग नशे की दवाई समझ लेते हैं, और सोचते हैं कि रोगी नशे का आदी हो जाएगा। लेकिन ये दवाई चिकित्सक के परामर्श से दी जाती है। इनका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। उन्होंने बताया कि विद्युत उपचार चिकित्सा सुरक्षित उपचार पद्धति है। इस मौके पर मनोरागियों के परिजनों ने चिकित्सकों से कई सवाल किए जिनका चिकित्सकों ने विस्तारपूर्वक वर्णन कर रोग के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर पूर्व महापौर सुमन श्रृंगी, पूर्व संगठन आयुक्त स्काउट राधेश्याम कसेरा, प्रसन्ना भंडारी,.न्यायिक अधिकारी सुरेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एल.के. दाधिच व यज्ञ दत्त हाड़ा ने किया।

रैली निकालकर दी जानकारी

मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शॉपिंग सेन्टर गुमानपुरा से जनजागरण के लिए ऊंट गाड़ी, मोटरसाईकिल, कार, जीप आदि पर रैली निकाली गई। इस मौके पर डॉ. एम.एल. अग्रवाल, पी.एम. गुप्ता, विमल चंद जैन, गुमानपुरा थानाधिकारी भगवत सिंह हिंगड़, यज्ञ दत्त हाड़ा, डॉ. एन.के. गुप्ता, डॉ. एल.के. दाधीच आदि उपस्थित थे। रैली गुमानपुरा से आरंभ होकर सब्जी मंडी, ज्वाला तोप, गीता भवन, सरोवर, लक्की बुर्ज, अग्रसेन चौराहा, विवेकानंद चौराहा से आईएमए हॉल पहुंची।

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

तंबाकू प्रोडक्ट पर सचित्र चेतावनी पोस्टर जारी

कोटा 29 मई। अग्रवाल न्यूरो साइक्रेट्री के चैयरमेन डा. एम. एल. अग्रवाल वरिष्ठ मनोरोग चिकित्सक ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 31 मई को नो स्मोकिंग डे का थीम प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके अंतर्गत तंबाकू प्रोडक्ट्स पर सचित्र चेतावनी छापना अनिवार्य है।

इसके अंतर्गत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सर्वे के आधार पर

विश्व तंबाकू सप्ताह

कनाडा में 58 प्रतिशत ब्राजील में 67 प्रतिशत सिंगापुर में 28 प्रतिशत थाइलेण्ड में 44 प्रतिशत स्मोकिंग करने वालों ने कहा कि तंबाकू पोडक्ट्स के ऊपर स्वास्थ्य चेतावनी देखकर हम अपने स्वास्थ्य और स्मोकिंग धूम्रपान करने के बारे में सोचने पर मजबूर हो जाते है। अत: सचित्र स्वास्थ्य नुकसान की चेतावनी द्वारा धूम्रपान पर ज्यादा प्रभावशाली असर पड़ेगा एवं जिंदगियां बचेंगी।

समन्वयक सुधीन्द्र गौड़ ने बताया कि डा. एम. एल. अग्रवाल ने उक्त चेतावनी का पोस्टर विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह के अंतर्गत जारी किया।

विश्व तम्बाकू सप्ताह पर जारी हुआ चेतावनी पोस्टर

सांध्य दैनिक
जाँबाज पत्रिका

कोटा 30 मई।

अग्रवाल न्यूरो साइक्रेट्री के चेयरमेन डॉ. एम.एल. अग्रवाल वरिष्ठ मनोरोग चिकित्सक ने बताया कि विश्वस्वास्थ्य संगठन ने 31 मई 09 नो स्मोकिंगडेका थीम प्रस्तुत किया है इसके अन्तर्गत तम्बाकू प्रोडक्ट्स पर सचित्र चेतावनी छापना अनिवार्य है इसके अनुसार 16 शो दि ट्रूथ पिक्चर्स वॉरनिंग सेव लिप्ज। इसके अन्तर्गत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सर्वे के आधार पर कनाड़ा, में 58 प्रतिशत, ब्राजील में 67 प्रतिशत, सिंगापुर में 28 प्रतिशत थाइलेण्ड में 44 प्रतिशत, स्मोकिंग करने वालों ने कहा कि तम्बाकू प्रोडक्ट्स के ऊपर स्वास्थ्य चेतावनी देखकर हम अपने स्वास्थ्य और स्मोकिंग धूम्रपान करने के बारे में सोंचने पर मजबूर हो जाते हैं। अत: सचित्र स्वास्थ्य नुक्सान की चेतावनी द्वारा धूम्रपान पर ज्यादा प्रभावशाली असर पड़ेगा एवं जिन्दगियां बचेंगी। समन्वयक सुधीन्द्र गौड़ ने बताया कि डॉ. एम.एल. अग्रवाल ने उक्त चेतावनी का पोस्टर विश्व तम्बाकू निषेध सप्ताह के अन्तर्गत जारी किया।

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

For mental well-being

PROMOTING 'MENTAL HEALTH IN PRIMARY CARE' WAS THE BASIC THEME OF WORLD MENTAL HEALTH DAY 2009

The World Health Organization has identified the following 7 reasons for integrating mental health into the primary care setting:

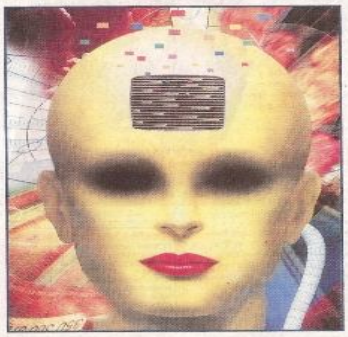

- The burden of mental disorders is great. They create a substantial personal burden for affected individuals and their families, and they produce significant economic and social hardships that affect society as a whole.
- Mental and physical health problems are interwoven. Integrated primary care services help ensure that people are treated in a holistic manner.
- The treatment gap for mental disorders is enormous. There is a significant gap between the prevalence of mental disorders and the number of people receiving treatment.
- Primary care for mental health enhances access. When mental health is integrated into primary care, people can access mental health services closer to their homes. It also facilitates community outreach and mental health promotion.
- Primary care for mental health promotes respect of human rights.
- Primary care for mental health is affordable and cost effective. Primary care services for mental health are less expensive than psychiatric hospitals, for patients, communities and governments alike.
- Primary care for mental health generates good health outcomes. The majority of people with mental disorders treated in primary care have good outcomes, particularly when linked to a network of services at secondary level and in the community.

(The writer is Sr Cosultant, Psychiatry at Kota)

Dr M L Agarwal

World Mental Health Day was celebrated recently which raised public awareness about mental health issues. The Day promoted more open discussion of illnesses, and investments in prevention and treatment services. WHO's statistics for 2002 shows that 154 million people globally suffer from depression, which is only one form of mental illness. Mental, neurological and behavioural disorders are common in all countries around the world, causing immense suffering and staggering economic and social costs. People with disorders are often subjected to social isolation, poor quality of life and higher death rates. About 450 million people globally have mental health disorder, which is affecting all age group and gender.

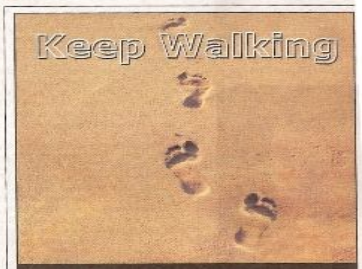

To make mental health issue a global priority by enhancing treatment and promoting mental health, the World Mental Health Day 2009 aimed to provide consumer, families and advocacy association around the world with assessable information on this topic.

THE TIMES OF INDIA NOVEMBER 27, 2009

राजस्थान पत्रिका
कोटा, सोमवार 21 सितम्बर, 2009

निष्ठा भाव से किए कार्य का हमेशा सम्मान

डॉ. एम.एल. अग्रवाल का अभिनंदन

कार्यालय संवाददाता

कोटा, 20 सितम्बर। 'व्यक्ति अगर निष्ठा भाव से स्वयं के कर्तव्यों की पूर्ति करता है, तो उसे आवश्यक रूप से सम्मान प्राप्त होता है।'

यह बात मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी.एल. वर्मा ने शनिवार को करनी नगर विकास समिति में मनोचिकित्सक डॉ. एम.एल. अग्रवाल के सम्मान समारोह में कही। डॉ. अग्रवाल को दूसरी बार वैश्विक आर.सी. हंटर उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने पर यह समारोह आयोजित किया गया। समारोह में करनी नगर विकास समिति की संयोजिका [illegible] में रहने वाली लावारिस विक्षिप्त महिलाओं की निःशुल्क व निस्वार्थ भाव से सेवा की है।

इसमें शहर की कई सामाजिक संस्थाओं ने डॉ. अग्रवाल का साफा बांध व स्मृति चिह्न प्रदान कर अभिनंदन किया। करनी नगर विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. के.एस. राजौरा ने डॉ. एम.एल. अग्रवाल के व्यक्तित्व पर 'पेन पोरट्रेट' पढ़ा।

डॉ. एम.एल. अग्रवाल का विश्वस्तरीय हंटर अवार्ड दूसरी बार प्राप्त होने पर करनी नगर के श्रद्धा भवन में विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं की ओर से अभिनंदन करते पदाधिकारी। साथ में हैं डॉ.

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)

कोटा, गुरुवार, 20 अगस्त 2009 दैनिक नवज्योति

विश्व मानसिक स्वास्थ्य संगठन ने दी हिन्दी को मान्यता

कार्यालय प्रतिनिधि

कोटा, 19 अगस्त। मानसिक स्वास्थ्य के स्तर को उच्च स्तरीय बनाने के लिए विश्व भर में वितरित की जाने वाली पाठ्य सामग्री में विश्व की अन्य आठ भाषाओं के साथ इस वर्ष यह सामग्री करीब 50-60 पन्नों की पुस्तिका में और सी.डी. में प्रकाशित की जाती है जो यू.एन.ओ. व विश्व की अन्य अग्रणी मानसिक स्वास्थ्य संगठनों व विशेषज्ञों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर तैयार की जाती है। यह इंटरनेट पर भी उपलब्ध है।

हिन्दी को इस सम्मान का श्रेय डा. एम.एल. अग्रवाल वरिष्ठ मनोरोग विशेष एवं आजीवन सदस्य विश्व मानसिक स्वास्थ्य संगठन के पिछले तीन वर्षों से किए जा रहे अथक प्रयास को जाता है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य संगठन को निरन्तर हिन्दी भाषा में पाठ्य सामग्री प्रकाशित किए जाने का सुझाव डा. अग्रवाल द्वारा दिया जा रहा था।

ताकि 102 करोड़ भारतीय जनता तथा अन्य देशों में फैले हिन्दी भाषियों को भी इसका

तीन वर्ष के अथक प्रयास से सफल हुए -डा. अग्रवाल

पूर्ण लाभ मिल सके। साथ ही पाठ्य सामग्री के हिन्दी रूपान्तरण में मदद करने का वायदा भी किया गया था। इस वर्ष अप्रैल 2009 में यह सामग्री संगठन द्वारा डा. एम.एल. अग्रवाल को ईमेल द्वारा भेज दी गई थी। जिसे बिना किसी वित्तीय मदद के हिन्दी में रूपान्तरण करके पी. डी.एफ. फाइल में संगठन को वापस 29 मई को भेज दी गई।

इस सामग्री को संगठन की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। शीघ्र ही सामग्री की सीडी व हार्ड कापी पूरे विश्व में भेज दी जाएगी। 2 सितम्बर से 6 सितम्बर तक एथेंस (ग्रीस) में होने वाले विश्व स्तरीय सम्मेलन में सभी डेलीगेट्स को उपलब्ध कराई जाएगी। सामग्री के रूपान्तरण में डा. एम.एल. अग्रवाल के साथ डा. अरुणा अग्रवाल श्रीमती साधना सैनी (व्याख्याता), डा. आर.सी. गुप्ता, डा. रश्मि गुप्ता, डा. दीपक गुप्ता व डा. अखिल अग्रवाल ने दिया। जबकि इसका समस्त आर्थिक भार अग्रवाल न्यूरो साइकेट्री सेन्टर ने वहन किया।

Create PDF files without this message by purchasing novaPDF printer (http://www.novapdf.com)